



भारत का राजस्मान्

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३] नई विल्ली, शनिवार, जनवरी १७, १९८१ (पौष २७, १९०२)

No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1981 (PAUSA 27, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती है जिससे ति यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम स्थायासय द्वारा जारी की गई विधिवारी नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम स्थायासय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रकारसों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों तृट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की

गई विधिवारी नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की

गई, बफ्फरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, तृट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, प्रधानमंत्री और

विनियम

भाग II—खण्ड 2—विशेषक और विशेषक वक्त्री ब्रवर समितियों की रिपोर्ट

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (१) —(रक्षा मंत्रालय

को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) संघीय प्राविधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के प्रत्यंगत बनाए और जारी

* पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

1—411 GI/80

पृष्ठ	पृष्ठ
किए गए माधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	105
भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राविधिकारियों द्वारा विधि के प्रत्यंगत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	151
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिवारी नियम और आदेश	21
भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा प्रायोग, रेल प्रशासन, उच्च स्थायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	523
भाग III—खण्ड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	21
भाग III—खण्ड 3—मुद्रण आयुक्तों द्वारा या उनके प्राविधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की कोई विधिवारी अधिसूचनाएं जिनमें अधिकारी, आदेश, विज्ञापन और नोटिस गामित हैं	559
भाग I—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	7

CONTENTS

PART I	PAGE	
SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	15	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. *
SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	65	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. *
SECTION 3—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. *
SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence ..	65	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India
SECTION 1—Act, Ordinances and Regulations.	*	PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..
SECTION 2—Bills and Reports of Select Committee on Bills ..	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners
SECTION 3—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India ..	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..
		523 21 559 7

* Follo Nos. not received

भाग I—खण्ड 1
PART I—SECTION 1

(रक्षा भवालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंदिरायों और उच्चायों द्वारा आयोग की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकाटि, एवं सम्बन्धित प्रतिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolution issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय
कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग
नियम

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1981

सं 11013/5/80 आई० ई० एस०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड IV की रिक्तियों को भरने के लिए 1981 में सब नोक सेवा आयोग द्वारा लो जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं —

- (i) भारतीय अर्थ सेवा, और
- (ii) भारतीय साधिकी सेवा,

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जान वाला रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों नथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा तथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अधिकारीय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक में है —

सविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, सविधान (अनुसूचित जन जाति आदेश 1950, सविधान (अनुसूचित जाति) (सघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, सविधान (अनुसूचित जन जाति) (सघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 सविधान (अनुसूचित जन जाति) सघ राज्य क्षेत्र आदेश, 1951, [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों सूचिया (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 प्रजात्र पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संसोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संसोधित] सविधान (जम्म और कश्मीर) अनुसूचित जातियों, आदेश, 1956, सविधान (अडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1959, [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित] जन जातियों आदेश (संसोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संसोधित) सविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962, सविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1962, सविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश 1964, सविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, सविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियों आदेश 1968, सविधान (गोवा, दमन और दीयू) अनुसूचित जन जातियों आदेश 1968 सविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियों आदेश 1970 सविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 और सविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1980।

3. संघ सोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम-1 में निर्धारित ढंग से सी जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे 4 उम्मीदवार —

- (क) भारत का नागरिक या
- (ख) नेपाल की प्रजा या
- (ग) भूटान की प्रजा,
- अवश्य हो, या
- (घ) ऐसा तिव्रती शरणार्थी जो भारत में रवायी रूप से रहने की डच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो या
- (इ) कोई भारत गूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा हो पाकिस्तान बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगाडा, रुद्युक्त गणराज्य तजानिया के पूर्वी क्षेत्रीय देशों, जाविया, मालादी, जेरे, दिव्योर्मिया और बिराजाम एवं प्रब्रजन कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (इ) वर्ग के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास शास्त्र सरकार द्वारा जारी किया गया प्रवेश (एलिजोविलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए। जिस उम्मीदवार के मामले में पास्ता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा गवता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्राप्तना प्राप्त-जारी कर दिया गया हो।

(क) उम्मीदवार के लिए प्रावधान है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1981 की 21 वर्ष पूरी हो गई हो विन्यु 25 वर्ष तक हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1953 और 1 जनवरी 1960 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) उपर बताई गई अधिकारीय आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छठ दी जाएगी —

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो प्रधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार मूलपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्ति किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्ति किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (vi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) हो और उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजद्रुतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया हो, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्ति किया हो तो अधिक से अधिक अठ वर्ष।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्ति किया हो तो अधिक से अधिक अठ वर्ष।
- (ix) किसी दूसरे देश के माध्यम संघर्ष में या किसी अशानिग्रन्थ धेन में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्त कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (x) किसी दूसरे देश के माध्यम संघर्ष में या किसी अशानिग्रन्थ धेन में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्त कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हो तो अधिक से अधिक से अधिक अठ वर्ष।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए दीमा सुरक्षा बल के रक्त कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्त कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के हो अधिक से अधिक अठ वर्ष।
- (xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रवृत्ति किया हो या जाम्बिया, मलायी, जेरे और हृष्णियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित ग्राम्य सीमा में किसी भी हालत में कूट नहीं हो जा सकती।

6. भारतीय ग्राम्य सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केवल या राज्य विद्यालय में संबंधित विद्यार्थी की पास विद्यालय की या संसद के अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित या विद्यालय की या विद्यालय की अनुवान

आयोग अधिनियम, 1956 की वारा 3 के प्रधीन विद्यालय के रूप में मात्र किसी भव्य शिक्षा संस्थाओं की अधिकारीय या साहियकी विषय महिने डिशी होनी चाहिए और भारतीय माहियकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास साहियकी या गणित या अधिकारीय विषय महिने डिशी अधिकारी उसके समकक्ष ग्राम्यवासी होनी चाहिए।

टिप्पणी I:—यदि उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर नेते पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करने हो तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मात्री जाएगी और यदि के अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी भी उसे हर दोलन में 30 सितम्बर, 1981 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी II:—विशेष परिस्थितियों में, मध्य लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार की भी परीक्षा में प्रवेश के बोग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्णता योग्यताओं में से कोई भी व्यायाम न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा सचालित कोई ऐसी परीक्षाएँ उत्तीर्ण की हों जिनके स्वर का देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

टिप्पणी III:—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हक प्राप्ति नहीं, किन्तु उसने किसी विद्यालय से डिशी प्राप्ति की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7 उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित कीम अवधार देनी होगी।

गर्भी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकर्मिक या वैनिक वर्क कर्मचारी में इनर स्थायी या अरबायी हैमियम में या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैमियत में काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवर्तन (चंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

9 परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के आगे में आयोग का निर्णय अनिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में नष्ट तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सटिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जानी प्रतेक या ऐसे प्रतेक प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा

(v) गलत या झूठे बक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के संबंध में किसी अन्य अनियमित अथवा असूचित उपायों का सहाया लिया है, अथवा

- (vii) परीक्षा के समय अनुचित भाषणों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अस्तीति भाषा में या अभद्र प्राशय की हों, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दृश्यवहार किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हों या अन्य प्रकार की शारीरिक धनि पहुँचाई हो, अथवा
- (xi) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवधिरित करने का प्रयाग किया हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उम पर आपराधिक ग्रसियोग (फ्रिमिल प्रार्थिक्यग्रन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उम—
- (क) आयोग द्वारा उम परीक्षा में जिसका वह उमीदवार है बैठने के लिए आयोग छलगाया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे स्थापी रूप में अथवा एक विशेष अवधि के लिए
- (i) आयोग द्वारा भी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन में
- (ii) केंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी में अपवर्जित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके लिए उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।
- विन्तु यह यह है कि इस नियम के अधीन कार्रवाई नव तक नहीं शी जाएगी जब तक
- (i) उमीदवार को इस राबू में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उमीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो विचार न कर लिया गया हो।

12 जो उमीदवार लिखित परीक्षा में उन्नते न्यूनतम अर्ड्हक अंक प्राप्त कर नेगा जिनमें आयोग अपने निर्णय से निपत्रित करे तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया।

किन्तु यह है कि यदि आयोग के मानामुकार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उमीदवार इन जातियों के लिए मामात्य स्तर के आधार पर पर्याप्त सम्भवा में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया जा सकती तो आयोग द्वारा स्तर में छोल देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उमीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13 परीक्षा के बाद, आयोग उमीदवारों के द्वारा अतिम रूप में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम से उनकी गृहीत जानाएगा और उसी क्रम से उन उमीदवारों में से जिनमें भी आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी हस्त रिक्तियों पर नियुक्त करने के लिए अनुशासा भी जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी असारक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है वे नियुक्ति उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि मामात्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों

परीक्षा अनुसूचित जन जातियों के उमीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, जैसे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनको कोई भी स्थान नहीं न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशासा की जा सकती, बशर्ते कि ये उमीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हो।

14. प्रत्येक उमीदवार की परीक्षा फल की सूचना किम रूप में और किम प्रकार दी जाए, इमका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षा फल के बारे में किसी भी उमीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि काई उमीदवार दानों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उमीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र बेते समय व्यक्त किया गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उमीदवार विचार किए जाने के इच्छिते थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा बर्खाएँ गए वरीयता क्रम में परिवर्तन से सबध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर सब लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने गे नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जाति के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उमीदवार अर्थित नाथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार में योग्य है।

17 उमीदवार को मानगिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उम्में कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिसमें मंदधित सेवा के अधिकारी के द्वारा में अपने कर्मव्यों को कुशलता-पूर्वक न निभा सके। अब उमीदवार या नियुक्ति प्राप्तिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के द्वारा उमीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन सेवाओं का पूरी नहीं कर सकता है तो नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाया गए उमीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी — कहीं निराम न होना पहले इमानिए उमीदवारों को सलाह दी जानी है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले मिथिल मर्जिन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जात्र बरतवा लें। नियुक्ति में पहले उमीदवार की किस प्रकार की डाक्टरी जात्र होगी और उम्में स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में हन नियमों के परिपाठ III में बिंदु गए हैं। इस सेवाओं के भविष्यवाच विकलांग हुए तथा उम्में फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सेविका को और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए तथा उम्में फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा भूगत्ता वन के कामिकों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जात्र के स्तर में छूट दी जाएगी।

18 जिम व्यक्ति ने

(क) एम व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है जिनका पहले में जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के स्तरे हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पाव नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय गवर्नर हम वान से मतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह एमें अविवाह तथा विवाह गे दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक गतुत के अनुगार स्वाक्षर है और ऐसा बरते के अन्य कारण भी है तो वह किसी भी व्यक्ति को हग नियम से छठ दे सकती है।

19 *१ परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के संबंध में भी जो भी है उनका मंत्रित विवरण परिपाठ II में दिया गया है।

परिचय

यह परीक्षा निम्नलिखित घोषणा के अनुसार संचालित होगी।
भाग-I, भीमे दिवाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होगे।

भाग-II आयोग द्वारा जिस उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए सौंचिक परीक्षा इस [परिशिष्ट की प्रनुसूची का भाग (क) देखिए] जिसके पूर्णांक 250 होगे।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रश्नों के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार हैः—

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	निर्धारित	समय
क.	भारतीय अर्थ सेवा			
1.	सामान्य अंग्रेजी	150	3 घंटे	
2.	सामान्य अध्ययन	150	3 घंटे	
3.	सामान्य अर्थशास्त्र I (भाग-I और II)	200	भाग-I 1 घंटा } भाग-II 2 घंटे } <td>3 घंटे</td>	3 घंटे
4.	सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग-I और II)	200	भाग-I 1 घंटा } भाग-II 2 घंटे } <td>3 घंटे</td>	3 घंटे
5.	भारतीय अर्थशास्त्र (भाग-I और II)	200	भाग-I 1 घंटा } भाग-II 2 घंटे } <td>3 घंटे</td>	3 घंटे
छवान दें :— यदि कोई उम्मीदवार उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 तक पर दिए गए विषयों के प्रश्नों की परीक्षा के लिए निर्धारित समय सीमा के अन्दर परीक्षा भवन में नहीं पहुंचता है और उन्हें प्रश्न पत्र के भाग-I की परीक्षा में प्रवेश प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे प्रश्न पत्र के भाग-II की परीक्षा में भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।				
ख.	भारतीय सांकेतिकी सेवा			
1.	सामान्य अंग्रेजी	150	3 घंटे	
2.	सामान्य अध्ययन	150	3 घंटे	
3.	सांकेतिकी I	200	3 घंटे	
4.	सांकेतिकी II	200	3 घंटे	
5.	सांकेतिकी III	200	3 घंटे	

नोट—I सामान्य अंग्रेजी और गामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएँगे।

नोट—II भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्न पत्र के भाग I में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग II में संक्षिप्त उत्तर और उत्तरांश बाने प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट—III भारतीय सांकेतिकी सेवा के क्रमांक 3 और 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न-पत्र में निवारण बाना प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट—IV अन्य विषयण के लिए, जिनमें विभिन्न विषयों के प्रश्न पत्रों में पूछे जाने बाने वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं।

नोट—V उपर्युक्त विषयों के लिए और पाद्यक्रम इस परिशिष्ट की प्रनुसूची के भाग "क" में दिए गए हैं।

3. अभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने साथ में लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्तिको महायता नहीं की जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के पूर्णांक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आमानी से पहले सायक न हो तो उम्मको मिलने वाले कुल प्रांकों में से कुछ प्रांक काट दिए जाएंगे।

7. केवल सभी काट दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुधारित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अधिक्यजना को श्रेय दिया जायगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक हो, तोली और मापों की केवल मैट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रनुसूची भाग "क"

सामान्य प्रश्नों और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विषय विद्यालय के प्रेजुग्ट से प्रपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विषयविद्यालय की मास्टर डिप्लोमा परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह प्रेक्षण की जाती है कि वे मिडाइट को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और मिडाइट की महायता से समस्याओं का विशेषण करें। अर्थशास्त्र और सांकेतिकी के क्षेत्र (अंग्रेजी) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी

प्रश्न हर प्रकार पूछे जाएंगे जिसमें उम्मीदवारों की अंग्रेजी समझे और अंग्रेजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होंगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो दैनिक निरीक्षण और अनुभव से संबंधित हैं और जिनको वैज्ञानिक वृद्धिकोण से एक पढ़ा-लिखा आदमी समझ सकता है। इन प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

सामान्य अर्थशास्त्र—I

उपर्योक्त की भाग का मिडाइट तटस्थला वक्र विशेषण प्रकट अधिमानता अभिगमन।

उत्पादन का मिडाइट : उत्पादन के तत्व उत्पादन कृत्य प्रणिकल के नियम प्रणिष्ठान और उत्पादन का मनुकल।

मूल्य का मिडाइट : वितरण अवयवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण, वार्तजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का मिडाइट : उत्पादन के तत्वों का मूल्यन, भाड़ा मजदूरी व्याज और लाभ के मिडाइट, वितरण मिडाइट, संकलन समस्या आद्य वितरण में असमानताएँ।

कृत्यान् मूलक अर्थशास्त्र : प्राचीन और नवीन नव्याणमूलक अर्थशास्त्र धर्मपूर्ति नियम, नीतिमूलक ग्रंथियाँ।

ग्रन्थीय आय की अवधारणा : सामाजिक भेदभाव, नियोजन का सिद्धांत नियम और मुश्तकीती, ग्रन्थीय और नव्याणमूलक अभिगमन नियोजन के बारे में कोन्स का मिडाइट और कोर्स के बारे की गतिविधियाँ।

गामान्य अर्थशास्त्र—II

आर्द्धक विकास की अवधारणा और उक्का सापन-विकास के सिद्धांत : विकासशील देशों के लक्षण और उनकी भवित्वान् : जनसंकाय वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन : अवधारणा और पद्धतियाँ व आर्थिक संगठन की पूँजीवादी और नमाजवादी प्रणालियों के ग्रन्तिगत आयोजन, मिश्रित अर्थ-व्यवस्था में आयोजन, परिवृश्यामूलक आयोजन, लेवीय आयोजन, निवेश के निधरिण और प्रविधियों का ज्ययन।

ग्रन्थीय आयोजन अर्थशास्त्र : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास व्यापार ग्रुप पद्धति के मिडाइट।

भुगतान संतुलन : भुगतान संतुलन में असमानताएं समझन की प्रक्रिया विदेश व्यापार, विनियम की दरें आयात और विनियम के नियंत्रक।

आई० एम० ए५० ओर अस्तराष्ट्रीय मुद्रा सुधार, जी० ए० टी०टी०, आर्थिक विकास के लिए अस्तकाधीय महायता, आई० बी० आर० ई० और उसके अनुबंध।

मुद्रा : उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केम्ब्रिय और वाणिज्यिक बैंकों के कार्य।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य कराधार और व्यय के सिद्धात, मार्वंजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधार का प्रभाव और घटन-पाठे की वित्त व्यवस्था, मार्वंजनिक ऋण का सिद्धात।

पर्याप्तशास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय ग्रौवर्तं और विकास के माप मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक उनकी सीमाएं।

भारतीय पर्याप्तशास्त्र

भारतीय पर्याप्तशास्त्र के बुनियादी संक्षण—विकास तंत्र-कृषि और उद्योग की भूमिका—विवेश-व्यापार की भूमिका—संतुलित विकास की अवधारणा।

प्रायोजन : उद्योग, प्रायोजनिक संकालन और भवस्याएं—पंचवर्षीय प्रोजेक्टों—साधन संपादन की समस्या।

कृषि : नया कृषि तंत्र—भू संबंध और भू सुधार—वैहारी माव—सिचाई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फलस आयोजन—सामुदायिक विकास—उजाजीविका और आयोग।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इसका स्थान—भारत में सहकार आवोलन का मिकास।

उद्योग : श्रीदोगिक विकास का व्यूह—स्थन निर्देश की समस्या—वृद्धयाकार और उद्युगों की समस्याएं—श्रीदोगिक सीलि—श्रीदोगिक संपदाएं—श्रीदोगिक वित्त के साधन—विवेशी पूजी की भूमिका—मार्वंजनिक उद्यम : संगठन, प्रबन्धन नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति।

श्रम : रोजगारी, बेरोजगारी और कम रोजगारी—श्रीदोगिक संबंध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—भजवूरी, मूल्य और आय नीति

विवेशी व्यापार : भारत के विवेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—विवेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भुगतान संतुलन।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विधीन का संगठन—वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति।

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति—मार्वंजनिक व्यय की वृद्धि—कराधार नीति—संघीय सरकारों के लिए राज्य स्वरूप के प्रमुख जीतों—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्यों के बीच वित्तीय संबंध।

मार्कियकी-I

नोट: केवल वस्तुपरक (बहुप्रकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता)—माप के सिद्धांत के स्थै—प्रसिद्ध परिवाहाएं और स्वयं नियुक्त प्रभिगम—प्रतिशत प्रब्रह्मकाश—संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—धटनाओं में से धटनाओं की प्रायिकता—प्रतिशत प्रायिकता—बेंस का प्रमेय—संयोगिका वितरण—विवरण और प्रविस्तरण—विवरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बरनीलीर समस्प, हिपर्वीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, ध्रासीय सामान्य, काष्ठी पराग्याह मिस्तीय, बहुप्रदीय, लाल्सेस, ऋणद्विपीय, बीटा, गामा, लघु-सामान्य तथा संकलित पाइसन वितरण—प्रभिगमण विवरण में प्रायिकता में और प्रायिकता एक के मात्र और मध्य वर्षों में—आर्थीन और सचायक—गणितीय अपेक्षा और प्रतिशत अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और आर्थीन तथा प्रायिकता जनक फलन—विलोम विलक्षणता और सातत्य सिद्धांत—टेक्वाइक और कालमोगोरोव असमानताएं—वृहत मंस्या निट्स और स्वतन्त्र विवरणों के लिए केम्ब्रिय सीमा सिद्धांत।

सांख्यिकी पद्धतियाँ (45 प्रतिशत प्रधानता)

स्थिरों का संग्रह मंकलन और प्रस्तुतीकरण—चार्ट, डायाग्राम और फ़िस्टोग्राम—प्रावृत्ति वितरण—निर्देश विकास और विषयता का

माप विचर और वृहत तथ्य—साहस्रय और प्रामाण्य—बक संकलन और लाखिक बहुप्र—विचर वितरण—विचर सामान्य वितरण—समाश्रण्य रेखीय वृहत प्रदीय,—यह संबंध गुणों का वितरण—प्राप्ति और बहुत भवसंबंध प्रत्यार्थीय भवसंबंध—वृहत संबंध अनुपात।

मानक लूटियों प्रोग्राम वृहत प्रभित्रीय—परीक्षण प्रतिदर्श वितरण—X'S t, chi-वर्ग और 'एक' इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण गैर-परामिती परीक्षण—माइम मीडियन, रन, विकलाक्षन, मनविट्टी वाल्ड बुल्फोविट्ज प्रादि वरीयता आम सांख्यिकी—आप्तमान, प्रधिकरण रेज, और मीडियम। आकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लाग रेज, न्यूटन-प्रगरो यून्टन (विभाजित ग्रातर) गाम और स्टरिलिंग पर प्रचलित प्रलवेशन सूत्र (षेष संभावना महिल) यूलर—मक्सारित कांस्कलन सूत्र—विलोम प्रलवेशन—आकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रधम गुणों का विभेद समीकरण—स्थिर गुणों के साथ एक वारीय विभेद समीकरण।

मार्कियकी-II

नोट:—केवल वस्तुपरक (वृहत विकल्प) प्रकार के प्रश्न पूछे जायेंगे। एकाशातीय प्रतिशत प्रधानता (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक वारीय आकलन का सिद्धांत—गाम आकर्क प्रतिष्ठायन—कलिड वर्ग आकलन—जी-विलोम का प्रयोग—एक तरफा और दो तरफा वर्गीकृत तथ्य का विश्लेषण—निविचत, मिश्रित और याट्टचिक प्रभाव वाले प्रतिशत—मामाश्रण्य गुणों के लिये परीक्षण—आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)।

प्रचले आकलन के लक्षण—प्रत्यधिक संभावना, कनिष्ठ वी० वर्ग आकलन और कलिड वर्गों की आकलन पद्धतियाँ—प्रत्यधिक संभावना आकलन—केवर राव अमानता—मट्टाचार्य परिसीमाएं—पर्याप्ति आवासन—गुण संबंध प्रमेय—संपूर्ण आकड़े—राव-ब्लैकबेल प्रमेय—विवास अन्तराल आकलन—इष्टतम विवास परिसीमाएं।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—हो प्रकार की लूटियों—कांतिक लैल—विभिन्न प्रकार के कांतिक लैल और स्वयं लैल—हातु फलन—प्रत्यन्त प्रभाव-शाली और समान रूप से प्रत्यन्त प्रभावशाली परीक्षण—नेमत, पीयरसेन आवारभूत लमा—अनभिमत परीक्षण—स्थालीपू लाक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—बास्त का SPZT-OC और ASN फलन—निर्णय, प्राथमिक तत्त्व और लेल मिद्दांत—

वृहत विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

वृहत वितरण—मात्र प्रसारक का आकलन और सहजारित व्यूह-होटिंग का T2 स्प्लिट-महलनाचिस का D2 स्प्लिट-वृहत वितरण—सामान्य जन संभावना के प्रतिदर्श में आंशिक और वृहत सहस्रंग गुणों—विभाषण का विवरण, उगका प्रतिकल्पना वितरण—विवरण का निर्णय—विवेचनात्मक फलन—प्रमुख बटक—नियमामूकूल विचर और महसंबंध।

मार्कियकी-III

नोट:—केवल निवेन्द्र फैली के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसमें सुधीर्व और जटिल निहण प्रावृत्तयक न हों।

[भाग "क" (सब के लिए अनिवार्य)]

प्रतिदर्श प्रविधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना अनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारम्भिक और विस्तृत प्रतिदर्श नवेक्षण—प्रतिस्थापन के मात्र या उसके बिना भरत या दुष्कृष्टक प्रतिचयन और प्रतिदर्शी प्रावृत्तन—लागत/प्रोग्राम विचरण फलन—आकलन की आनुपातिक और समान्वयी प्रदर्शियों—प्राकार के समानुपात म प्रधिकरा सहित प्रतिक्षयम—मंकल, इहरा, बहुपुणी बहूतरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन—भृत प्रधियों प्रतिचयनतेर लूटियों।

परिणाम-III

उम्मीदवारों की पारीचिक परीक्षा के बारे में विविधम्

ये विविधम् उम्मीदवारों की सुविधा के लिये प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा गके कि वे अपेक्षित प्रार्थित व्यक्ति के हैं या नहीं। ये विविधम् स्वास्थ्य परीक्षकों (सैक्षिक एवजामिनर्य) के गार्फ़-निदेशन के लिये भी हैं।

भारत सरकार की स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने, नसे स्वीकार या अस्वीकार करने वा पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिये स्वास्थ्य छहगण जाने के लिये यह जल्दी है कि उम्मीदवार का मानसिक और पारीचिक रक्तास्थ ठीक है और उसमें कोई ऐसा प्रार्थित दोष न हो जिसमें नियुक्ति के बाइ दक्षनायार्थक काम करने में वाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2 भाग्नीय (पर्लो ईर्ष्यम महिन) आगि के उम्मीदवारों वा याए कद और छार्ट के घेरे, परम्पर मंबंध के बारे में भी इन घोई के ऊपर वह बात छाँड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों वा परीक्षा में भाग्नीय के रूप में जो भी परम्पर संबंध के भाकड़े गवर्ने अधिक उपयुक्ता समझ व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छार्ट के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए, और छार्ट का एकम-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही घोई उम्मीदवार को ग्रस्थ अथवा ग्रस्थ घोंदित करेगा।

3 उम्मीदवार का कद नियन्त्रित विधि में मापा जाएगा—वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (मीटर) द्वारा प्रदार गठा कर देखा किया जाएगा कि उसके पाय आपस में जुड़े रहे और उसका वजन मिक्रो ग्रैम्यों के पावो की डिलियों या लिसी और त्रिस्त्रे पार न पह। वह विना अकड़े सीधा छाँड़ होगा और उसकी एडिया, ग्राइलियां, नितम्ब, और क्षेत्र माप-दण्ड के साथ मरे होंगे। उम्मीदवारों वा याए की जापेगी ताकि सिर का स्तर (बटेंक्स आफ वी हैड लेयेस) ड्राइवर्जेट बार (आड़ी छ) के नीचे था जाए। कद सेंटीमीटरों और प्राथं सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छार्ट नापने का तरीका इस प्रकार है—उसे इस भाँति छाँड़ किया जाएगा कि उसमें के पाव जुड़े हों, और उसकी भ्रांति सिर से ऊपर उठी हो। फैटों को छार्ट के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा अमान्य (शोल्डर ब्लेंड) के निम्न कोणों (इन्फील्युर मेंशल्स) में लगा रहे और फैटों को छार्ट के गिर्द ले जाने पर उसी भ्रांति समतल (हार्डिंगल लेन) में रहे। किन भ्रांतों को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के क्षेत्र लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का व्यान रद्दा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फैटों भ्रांति स्थान से हट न पाएं। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सोम भ्रांति के लिये कहा जाएगा और छार्ट का अधिक से अधिक फैलाव गोर में नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करने समय और सेंटीमीटर से कम में कम के भिन्न (फैलाव) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छार्ट के बारे में आपने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उग्रका वजन फिलोप्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधं किलोप्राम से कम वा फ्रेक्षन को नोट नहीं करना चाहिए।

6.(क) उम्मीदवार की नजर की जांच नियन्त्रित विधियों के प्रत्याम की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चष्मे के विना नजर (नेकें शार्ट विजन) की कोई व्यूनलग मीमा (मिनिमम विजन) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामने में सैक्षिक घोई या अन्य मैडिकल प्राविकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जावेगा क्योंकि इससे प्राल की हालत के बारे में मूल सूचना (बैमिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

(ग) चष्मे के साथ और यहमें के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक नियन्त्रित होगा—

दूर की नजर	नजदीक की नजर
प्रचली श्राव (ठीक वी हुई दृष्टि)	प्रचली श्राव (ठीक की हुई दृष्टि)
6/4 वा 6/5	6/9 वा 6/12
जे-१	जे-११

दृष्टि मवधी ग्रन्थ अपेक्षाओं वा पूर्ण करना दूर।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक व्याप्ति हो जोकि बड़े सकारी है और उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अप्रोग्र घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र : सभी सेवाओं के लिये सन्मूल विधि (कफ्टल्टेशन मैथड) द्वारा दृष्टि की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा अमर्त्योजनक या संविष्ट हो तब दृष्टि क्षेत्र को पेरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रत्नधी (नाइट ब्लाइनेस) —साधारणतया रत्नधी दो प्रकार की होती है, (1) विटमिन "ए" की कमी होने के कारण और (2) टीना के जारीनिक रोग के कारण जिसकी आम अज्ञज रेटीनोटिस पिगमेंटोमा होती है। उपर्युक्त (1) में फैटम की स्थिति प्रभासान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम बुगक पाने वाले व्यक्तियों में विखार्ती है और अधिक माला में विटमिन "ए" के बिने में टीक हो जाती है। ऊपर बनाई गई (2) की स्थिति में फैटम प्रायः होती है और अधिकारण मामलों में केवल फैटम की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस धरें को नोट बैठा होता है और बुगक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिये प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिये आव्याय अनुकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए, विशेषतया जब फैटम न हो तो इलेक्ट्रो रेटिनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अन्यथा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी में सभय अधिक लगता है) और विशेष प्रबन्ध और गामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सक जांच से हमला पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को व्याप्ति में रखने हुए भ्रांत्यव्यापार को लाइंग कि वे बनाये कि रत्नधी के लिये इन जांचों का करता अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होता कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी वी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षा क्या है और उनकी इन्हीं किम तरह की

(ध) दृष्टि की तीक्ष्णता में भिन्न आंख की अवस्थाएं (आश्युलर मंडीप्राप्त) ।

(i) आंख की उम बीमारी को या बहती हुई प्रपत्तेम लूटि (प्राप्रेसिव रिफ्रेशिट परर) का, जिसके परिणाम स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता, निर्धारित स्तर की होने पर भी भेगापन की अप्रोग्रा या पारण भमय। जान चाहिए।

(ii) भेगापन (स्टिक्टं) : तकनीकी भेगापन में, जहाँ प्लिनेट्री (ब्राइन-कुलर) दृष्टि का होता अनिवार्य है, दृष्टि की तीक्ष्णता, निर्धारित स्तर की होने पर भी भेगापन की अप्रोग्रा या पारण भमय। यह दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेगापन की गत्य सेवाओं के लिए अप्रोग्रा या कारण नहीं भमत्ता चाहिए।

(iii) एक भाष्मः यदि किसी व्यक्ति की एक ही भाष्म हीं प्रथमा यदि उसकी एक भ्राता की दृष्टि ही सामान्य हो और इसी भ्राता की मन्त्र दृष्टि हीं प्रथमा अप गामान्य दृष्टि हीं, तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा धोध हेतु विश्व दृष्टि का प्रभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई विश्व वशों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोहुं योग्य मानकर प्रनुशसित कर सकता है वशों कि सामान्य भ्राता :

(i) की दूर दृष्टि 6/6 और निष्ठा की दृष्टि जे-1 अच्छ लगाकर प्रथमा उसके बिना हों, वशों कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मोर्गिंगन में लटि 4 शायोटिंग रे प्रधिक न हो।

(ii) की दृष्टि का पूरा धेन्ह हो,

(iii) की सामान्य रग दृष्टि जहां व्येक्षित हो।

वशों कि बोहुं को यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेस : उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लेस के प्रयोग की आवश्यक नहीं होती। यह आवश्यक है कि ग्राम्श की जाँच करते समय दूर की नजर के लिये टाइप किए हुए अश्वरों का उद्भासन 15 फुट की ऊँचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रेशर ।

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोहुं अपने निर्णय में काम लेंगा। नामंत्र उच्चासम मिस्टालिक प्रेशर के आकलन की शाम चलाऊ विधि नीने दी जाती है :-

(i) 15 में 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष में ऊपर आयु बाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आयु बोहुं देने का तरीका बिलकुल सतोषजनक दिखाई पड़ता है।

व्यापार वें :- सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के सिस्टालिक प्रेशर की ओर 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को संविधान लेना चाहिए। और उम्मीदवार को योग्य सा अप्रोग्राम छारण के संबंध में अपनी अनिम राय देने से पहले बोहुं को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल की निपाटे से यह पना लगता चाहिए कि घरराहट (एक्साइटेट) आविष्कार के कारण ब्लड प्रेशर में दृष्टि धेन्ह समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यिक (आर्गेन्टिन) बीमारी है ऐसे सभी केसों में दूर्दय की एक्स-रे और विशुन हृत्यनेस्ट्री (इन्फ्राकॉर्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त धूरिया निकास (किलोरेस) की जाँच भी नेमी रूप से की जाती चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अनिम फैला केवल मैडिकल बोहुं ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त धाव) नीने का तरीका

नियमित पारे वाले दावातरमापी (मर्केंसी बेनोमीटर) किसम का उपकरण (इस्ट्रूमेंट्स) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसम के व्यायाम या घबराहट के बाव पन्हन्ह मिनट तक रक्तधाव नहीं लेना चाहिए। रोटी बैटा या लेटा हो वशों कि वह और विशेषकर उसकी भुजा या गिरियां और आगम से हो। कुछ हारिझेटल स्थिति में रोटी के पार्श्व पर भुजा को आगम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी हवा निकाल कर बीच की रक्ख को भुजा के अन्तर की ओर रख कर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो हंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाव कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लगेट्ला चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूँक कर बाहर को न निकले।

फोहमी के मोड़ पर प्रगड़ बमनी ('ब्रेकिंग ब्रार्टरी) को दबा-दबा कर दूँड़ा जाता है और तब इसके ऊपर थीबों-बीच स्टेक्सोपोप को हल्के से

लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरा जाती है और इसके बाव इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। इन्हीं क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ते पर जिस स्तर पर ये सफे का कालम टिका होता है वह मिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाती है तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ती हैं। जिस स्तर पर ये सफे और अच्छी सुनाई पड़ते वाली ध्वनिया हल्की बबी हुई सी लूल प्राय हो जायें वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी प्रविधि में ही ले लेना चाहिए, क्योंकि कफ के नम्बे समय का दबाव रोपी के लिये क्षोभकर होता है और इसमें रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़नाल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकालकर बुछ मिनट के बाव ही ऐसा किया जाए। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनिया सुनाई पड़ती है, बाव जिने पर ये गायब हो जाती है और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है)। इस साइलेंट गैप में गत्ती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैट्रिकल बोहुं की किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जाब द्वाग शक्कर का पना लगे तो बोहुं इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के बोहुं लिखते और लक्षणों को भी विशेष रूप से लेट करेगा। यदि बोहुं उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लाइकोमूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मैडीकल फिटोप के स्टैन्डर्ड के अनुलेप पाये तो वह उम्मीदवार को इस पारे के माय फिट धोखित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोहुं केस को मैडिकिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजता जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मैडिकल विशेषज्ञ स्टैन्डर्ड ब्लड शुगर टालरेम टेस्ट समेत जो भी फिलिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जल्दी समझेगा करेगा और आपनी रिपोर्ट मैडिकल बोहुं को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोहुं की "फिट" या "अनाफिट" की अतिलिम राय आधारित होती है। इसमें श्रवण पर उम्मीदवार के लिये बोहुं के सामने स्वयं उपस्थित होता है या नहीं होता है। आधारित के प्रभाव को समान करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जाँच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हप्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ धोखित किया जाना चाहिए। जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मैडिकल प्रैक्टिशनर से आरोग्यता का प्रमाण पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अनिश्चित गातो का प्रेक्षण करना चाहिए:-

(क) उम्मीदवार की दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कान की कोई खगड़ी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वाग की जानी चाहिए। यदि सुनने की खगड़ी का इलाज शल्य किया (ग्रापरेशन या हियोग्राम) एवं इसके इन्सेमाल से हो तो सके लो उम्मीदवार को इस आधार पर अपेक्षित धोखित नहीं किया जा सकता वशों के लिये कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहराहन, यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहराहन, बूमग कान सामान्य होगा।

30 डेसीबेल तक ही सी गैर-तकनीकी बाव के लिये योग्य।

2. दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहराहन 30 डेसीबेल तक ही सी गैर-तकनीकी बाव के लिये योग्य।

यदि 1000 से 4000 तक की बोध, जिसमें श्रवण यन्त्र (हिपरिंग एड) द्वारा कुछ मुश्वर मंभव हो।

3. सेन्ट्रल प्रथवा मार्जिनल टाइप के टिप- (i) एक कान सामान्य हो पेनिक मेम्ब्रेन मे छिप्र। दूसरे कान मे टिपेनिक मेम्ब्रेन मे छिप्र हो तो प्रस्थाई आशार पर प्रयोग्य। कान की शल्घन-चिकित्सा की स्थिति सुधारने मे दोनों कानों मे मार्जिनल या अन्य छिप्र वाले उम्मीदवारों को प्रस्थाई रूप से अयोग्य घोषित करके उम पर नीचे विधि गति 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
- (ii) दोनों कानों मे मार्जिनल या एटिक छिप्र होने पर प्रयोग्य।
- (iii) दोनों कानों मे सेन्ट्रल छिप्र होने पर प्रस्थाई रूप से अयोग्य।
4. कान के एक प्रोर मे/दोनों प्रोर से (i) किमी एक कान के सामान्य रूप से एक प्रोर से मस्टायड केविटी से मुनाई देना हो, दूसरे कान मे मबन-नामूल श्रवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।
- (ii) दोनों प्रोर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता, श्रवणस्थ खगाकर अथवा बिना लगाए हुए सुधर कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।
5. बहने रहने वाला कान—प्रापरेशन किया गया/विना आपरेशन वाला। तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थाई रूप से अयोग्य।
6. नामापट की हड्डी सबवी/विममताओं (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय उसमे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलजिक दण।
- (ii) यदि सक्षणों सहित नामापट अफमरण विद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।
7. टामिल और/या स्वर घंत (नैरित्म) (i) टामिल और/या स्वर घंत की जीर्ण प्रदाहक दण—योग्य
- (ii) यदि आवाज मे प्रथ्यधिक कर्कशता विद्यमान हो सो अस्थाई रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (ई० गन० टी) के (i) हल्का ट्यूमर—अस्थाई रूप हल्के ग्रथवा अते स्थान पर दुर्बल ट्यूमर। मे अयोग्य।
- (ii) बुर्बंध ट्यूमर—अयोग्य।
9. आस्टोविलोरोमिम।
10. कान, नाक प्रथवा गले के जन्मजात दोष। (i) यदि काम काज मे वाधक न हो तो योग्य।
- (ii) भारी मादा मे हकलाहट हो तो प्रयोग्य।
11. नेजल पोरी। (ख) उम्मीदवार बोनेस मे हकलाता/इकलाती नहीं हो।
- (ग) उमके दोनों प्रछढ़ी हानत मे है या नहीं, और अच्छी नरह चवाने के लिए जल्दी होने पर तकली दंत लो है या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दानों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उमकी छानी की बनावट अच्छी है या नहीं और छानी काकी फूलाई है या नहीं उसका दिल या फेफड़े ठीक है या नहीं।
- (च) उसे रख्चर है या नहीं।
- (छ) उसे हाईड्रोमील, बड़ी हुई बेरिकोमिल, बेरिकाजगिंग (बेन) या या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उमके अगा, हाथों प्रोर पैरों की बनावट और विकाम अच्छा है या नहीं और उमकी प्रथियां भली-भाली स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई सचारी (कम्यूनिकेशन) रोग है या नहीं।
11. दिप और केफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जान न हो, सभी मामला ने नैमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।
- मरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के संबंध मे जहां कही मरेह द्वारा चिकित्सा बोई का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जा ने के प्रण एवं किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ मे परामर्श कर सकता है जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक सुटि अथवा विषय (एंबरेशन) मे पीचित होने का सबेह होने मे बोई का अध्यक्ष अस्पताल से किसी मनोविकार विजानी/मनोविजानी से परामर्श कर सकता है।
- जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण पत्र मे अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी गय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार को अपेक्षित दशनापूर्ण ड्यूटी मे रहने वाला पड़ने की सम्भावना है या नहीं।
12. मैडिकल थोर्ड के निर्णय के विष्व अपील करने वाले उम्मीदवार का भारत मरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार ₹० ५०/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोई द्वारा योग्य घोषित किए जायें। ऐप दूसरे के मामलों मे यह जमा कर निया जाएगा। यदि उम्मीदवार जाहूं तो अपने आयोग्य होने के द्वावे के समर्थन मे स्थानता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोई द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 के अन्वर प्राप्ति वेण करनो चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के निए अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोई द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली मे ही होगी और इसका खंच उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सध्य मे फी जाने वाली यात्राओं के लिये

कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा। प्रीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जान वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मत्रिमंडल (कार्मिक तथा प्रणालीक मुद्रार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के सार्वत्रिंशन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाना है :-

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने गए स्टेंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुजारण रखनी चाहिए।

किसी ऐसे अविकृत कार्रवाई मर्थिस में भर्ती के लिये याप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपदार्थिग्रामारिटी) को यह नमली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बड़िली इनफार्मिटी) नहीं है जिसमें वह उम सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की समाझना हो।

यह बात समझ नेत्री चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उनका ही संबद्ध है जितना कि बैठभान से ही और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्ण पेशन या अद्यायतियों को रोकना है। माय ही यह भी माट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न के बालंग निरन्तर कारगर सेवा की शमाजना का है और उम्मीदवार को अम्भीकृत करने की मालाह उम हानत में नहीं वीं जानी चाहिए, जबकि उसम कोई दोष हो जो केवल गम्भीर कम स्थिरियों में निरन्तर कारगर सेवा में वाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतया तीन सवाल होते (i) एक कार्य चिकित्सक, (ii) एक शाल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र चिकित्सक। ये मधीय यान-सभव साध्य समान रत्न के होने चाहिए। महिना उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में गहरोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय मालियकी सेवा के उम्मीदवारों को भाग्य में और भारत से बाहर थोव सेवा (फील्ड सर्विस) बरनी होगी। इस प्राप्ति के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय दियोग्य रूप से रिकार्ड करती चाहिए कि उम्मीदवार बोर्ड सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य कागर दिया जाना है तो मोटे तौर पर उसके अस्तीकार किए जाने के प्राधार उम्मीदवार को बनाए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने भी यहायी बनाई हो उसका विस्तृत व्यौग नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (प्रोप्रथ या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आपाय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाये तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के मामले उस अविकृत को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार ग्रस्ताई तौर पर "अयोग्य" कागर दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणता कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। नियुक्ति अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और प्राप्ति की अवधि के लिए अस्तीर्थी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सबध में अवधा दें। नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय प्रतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

प्रपनी मेडिकल परीक्षा में पूर्ण उम्मीदवार को निम्नलिखित प्राप्तित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्सेरेशन) पर हस्ताक्षर

करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उम्मीदवार अंकों की ओर उम्मीदवार वा विदेशी रूप से उनके द्वारा जाना चाहिए।

1. अपना पुराना नाम लिखें—
(साफ़ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें—

3. (क) क्या आप अनुसूचित जानि या गोण्डा, गढ़वाली, अम्बिया, नाथालैंड जन जानि आदि में में किसी जानि से संबंधित हैं जिपका असीत कद हूसरों से कम होता है "ज़" या "नहीं" में उनके द्वारा जिए। उनके "ज़" में हो तो उन जानि का नाम बनाइए।
(ख) यह आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई हूसरा अश्वार, यरिया (रेहिम) का बढ़ना या इनमें वीप पड़ना, थूक में बून आना, दमा, दिल ती बीमारी, फेंडे की बीमारी, मूर्छा के द्वारा स्माइंग, एंड्रिमाइटिम हुआ है।

अपवा

(द) दूसरी कार्ड बीमारी या युर्टेटा, जिसका कारण गव्या पर खेडे रहना पड़ा हा और जिसका मेडिकल या संजिकन इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक का टीका आधिरी वार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या यूसरे किसी कारण में किसी किस्म की अधीरना (नर्वसनेम) हुई ?

6. आपने परिवार के यथार्थ में निम्नलिखित अव्योग दे—

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय प्राप्ति किनने भाई	आपके किनने भाई
हो तो उनकी आयु पिता की आयु जीवित है, उनकी भाईयों की मृत्यु और स्वास्थ्य की ओर मृत्यु आयु और स्वास्थ्य हा चूकी है, उनकी	आयु और मृत्यु का कारण
प्रवस्था	आयु और मृत्यु का कारण
कारण	आयु और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित मृत्यु के समय आपकी किनने भाई आपकी जीवित हो तो उनकी आयु माता की आयु वहनों जीवित वहनों की मृत्यु और स्वास्थ्य की ओर मृत्यु का है उनकी आयु हो चूकी है, मृत्यु प्रवस्था कारण और स्वास्थ्य भी के समय उनकी प्रवस्था आयु और मृत्यु का कारण।

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊर के प्रश्न का उत्तर "हाँ" में हो तो बनाइये किम सेवा/किम सेवाओं के बाबत अधिकारी के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा ऐने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ पर मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बनाया गया हो अथवा आपको मानूस हो—

मै आपित करना हूँ कि जह नक मेरा विश्वाम है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठाक है।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे मामने हस्ताक्षर किए—

बोर्ड के प्रधारक के हस्ताक्षर—

नोट—उम्मीदवार कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होता है। जान्यूस कर हिमी सूचना को छिराने से वह नियुक्ति द्वारा बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति द्वारा भी जाए तो वार्क्स्प्रिंट निवृति भत्ता (मुपरएन्डेन) नारांग (रेचुणटी) के सभी दावों से दूर रह देंगा।

(उम्मीदवार का नाम) की आरोरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास का	प्रचला कम प्रयोग :	शीघ्र होना :
पतंजला	होमन	मोटा
वजन	वजन जूते उत्तरकर	
वजन	प्रत्युत्तम वजन	
कब था ?	वजन में कोई हाल ही में	
दृष्टि परिवर्तन	दृष्टि परिवर्तन	
तापमात्रा		
छाती की बेर		
(1) पूरा सांत खीचने पर		
(2) पूरा नाम निकालने पर		
2. त्वचा	कोई जाहिरी बीमारी	
3. नेत्र		
(1) कोई बीमारी		
(2) रसाई		
(3) कलर विजन का दाष		
(4) दृष्टि बेत्र (फील्ड ग्राफ विजन)		
(5) दृष्टि तीक्षणता (विजुअल एक्वर्टी)		
(6) कंधम की जाँच		
दृष्टि की तीक्ष्णता	चम्पेके विना	चम्पेमें चम्पेकी अमर्ता
		गोल बर्तुल एक्सिम
दूर की नज़र	दा० ने०	
पास की नज़र	दा० ने०	
दूर की नज़र	दा० ने०	
पास की नज़र	दा० ने०	
दूर की नज़र	दा० ने०	
पास की नज़र	दा० ने०	
दूर की नज़र	दा० ने०	
पास की नज़र	दा० ने०	
दूर की नज़र	दा० ने०	
पास की नज़र	दा० ने०	
4. कान : निरीक्षण	सुनना	
	दाया कान	
	दाया कान	
5. ग्रथिया	पाइराइ	
6. शातो की हालत		
7. श्वसन तंत्र (रेपरेटरी गिस्टम) — क्या शारीरिक परीक्षा करने पर गांग के अंगों में ने किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यूहा दे ?		
8. परिसचरण तंत्र (मर्क्युलेटरी सिस्टम)		
(क) हृदय : कोई आंतिक गति (आर्टिकल लीजन) —		
गति (रेट) :		
खड़े होने पर		
25 बार कुआए जाने के बाव		
कुआए जाने के 2 मिनट बाव		
(ख) छाड़ प्रेशर — प्रिस्टानिक		
	डायम्स्टानिक ।	
9. उदर (पेट)	घर	स्वर्ष

महता हृनिया :	
(क) दबा कर मालूम पड़ता/प्रिगर	
तिल्ला	गुर्व
द्यूमर	
(ख) रक्तामं	
भग्दंदर	
10. ताविक तंत्र (नव मिस्टम) ताविका या मार्नामक अणकन्ता का संकेत	
11. चालतंत्र (लोकोमोटर मिस्टम)	
की असमानता	
12. जनन मूल तंत्र (प्रैनिटी यूरिनरी मिस्टम)	हाइड्रोसील वरिकोमिल आदि का कोई संकेत ।
मूल परीक्षा :	
(क) कैमा विकार पड़ता है ?	
(ख) अपेक्षित गुरुत्व (सेमिकिक घेविटी) ।	
(ग) एल्बुमेन	
(घ) शक्कर	
(इ) कास्ट	
(ज) कोशिकाएं (सैलम)	
13. छानी की एका-रे परीक्षा की रिपोर्ट ।	
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसा वात है जिसमें वह इस भेदा की ड्यूटी को दबनापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो भवता है ।	
नोट — महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाना है कि वह 12 मन्त्रालय की अवस्थिति प्रथम उम्मीदवार के अधिक समय में गर्भिणी है तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम ३ ।	
15. (i) क्या वह भारतीय गर्भ सेवा/भारतीय साल्फिकी सेवा में दक्षता-पूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिए गवर्नर तरह से योग्य पाया गया है ?	
(ii) क्या उम्मीदवार भेद्र सेवा (फील्ड गर्भिम) के लिए योग्य है ?	
नोट — जोड़े को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित सीन थर्डों में से किसी एक वर्ग में रिकॉर्ड करना चाहिए :	
(1) योग्य (फिट)	
(2) अयोग्य (प्रतिकिट) जिगका कारण	
(3) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिगका कारण	
स्थान	श्रद्धालु

टेलोलियम, रमायन और उद्वरक मंत्रालय
(पेट्रोलियम विभाग)
नई दिल्ली, विनाक 10 दिसम्बर, 1980
ग्राहेश
विषय — प्रार०-7 संरचना के 166.93 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिये पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति ।
स० 12012/23/78-प्रोटक्षन — पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के उप नियम (1) की धारा (1) द्वारा प्रवत्त गतियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं दश्वारा नेत्र और प्राकृतिक गैस ग्राहीण, तेल भवन, वेहराहून (जिसको दूसरे बाद ग्राहीण कहा जाएगा)

के आर०-७ प्राप्तिक के 166 93 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की समाचार हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेन्स की 25-4-80 से बार वर्ष की अवधि के लिये स्वीकृति देनी है। इसके विवरण इसके माथ समान अनुसूची 'क' में दिये गये हैं।

लाइसेन्स की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है—

(क) अन्वेषण लाइसेन्स पेट्रोलियम के सबै में होगा।

(ख) यदि अन्वेषण वार्ष के दौरान काई खनिज पदार्थ पाये गये तो आयोग पूर्ण व्यार व साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।

(ग) स्वत्व शुल्क (गयल्टी) निम्नलिखित दर पर भी जाएगी—

(I) समस्त प्रशोधन तेल तथा बेंगल हेड कॉम्पोज घर 4/- रु० प्रति मीट्रिक टन या ऐसी क्षर जो समग्र माय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

(II) प्राकृतिक गैस के सबै में वर केन्द्रीय सरकार द्वारा ममग पर निर्धारित दर के अनुसार होगी।

(III) स्वत्व शुल्क (गयल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम मञ्चालय, नई विनी के बेन अथवा नेहां अधिकारी वो दी जाएगी।

(ब) आयोग लाइसेन्स के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त प्रशोधन तेल की मात्रा केसिंग हेड कॉम्पोज और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शान वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को मेंगा। यह विवरण समान अनुसूची 'ख' में दिये गये प्रवत्र में भग्नकर देना होगा।

(इ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम के नियम 1959 की अधायकाना के अनुसार आयोग 6000/- रुपये वो धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेन्स के सबै में एक शुल्क वा भुगतान करेगा जिसकी सराजना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश का जिसका लाइसेन्स में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जाएगी।

- 1 लाइसेन्स के प्रथम वर्ष के लिये 4 रुपये
- 2 लाइसेन्स के द्वितीय वर्ष के लिये 20 रुपये
- 3 लाइसेन्स के तृतीय वर्ष के लिये 100 रुपये
- 4 लाइसेन्स के चतुर्थ वर्ष के लिये 200 रुपये, और
- 5 लाइसेन्स के नवोनीकरण वे प्रथम और द्वितीय वर्ष ते लिये 300 रुपये।

(छ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 11 के उपनियम (3) की अधायकानानुसार आयोग को अन्वेषण लाइसेन्स के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छाड़ देने की स्वतन्त्रता सरकार को वो माह के नोटिस के बावहोगी।

अनोदित तेल, केसिंग हेड कॉम्पोज तथा प्राकृतिक गैस के उत्तावन तथा उसके मूल्य सहित मामिक विवरण
आर०-७ सरचना के लिये पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेन्स
क्षेत्रफल 166.93 वर्ग किलोमीटर

माह तथा वर्ष

क—अपोषित तेल

कुल प्राप्त किलो मीटरों की म०

अपरिहाये रूप से खोये प्रथम प्राकृतिक जलाशय को लौटाये किलो लीटरों की सज्जा

केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित कानून 2 और 3 को प्रदान किया गया है—
पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग प्राप्त किलो मीटरों की म०

ख—केमिंग हेड कॉर्पोरेट

प्राप्त किये गये कुल किलो लीटरों की संख्या	अपरिहार्य हृप से खोये जानाणय को लौटाये विलों औटरों की संख्या	फेन्ड्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये किलो लीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 घटाकर कालम 2 और 3 घटाकर की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

ग—प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त धन मीटरों की सू.	अपरिहार्य से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये धन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय गरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण घार्ड हाउस प्रयोग किये गये धन मीटरों की संख्या	वालम 2 और 3 को बटाकर टिप्पणी प्राप्त धन मीटरों की सू.
1	2	3	4

एन्ड्रूडारा में, श्री ————— सत्यनिष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विधरण में श्री गई मूलना पूर्णस्वेण सत्य घोर सही है, उसे सही समझते हुए मैं याद भ्रात करण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

भारत के राष्ट्रपति के प्रादेश से तथा उनके नाम में है।

किरन चड्हा, अवर मचिव

नागरिक पति सवालय

नई विल्सी, विनांक 26 दिसम्बर 1980

विषय.—भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान, राजी के लिये मलाईकार समिति का गठन।

संक्षिप्त

स० छत्य० एम०-११(11)/८—भारतीय निधि का प्रयोग विश्वास संस्थान नियम, 1980 के नियम ४ के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एवं दशहारा सलाहकार समिति का गठन करती है जिसमें निम्नोक्त व्यक्ति होते हैं—

- 1 भारत सरकार के मण्डिव,
नागरिक पूर्णि मन्त्रालय, नई विल्ली
 - 2 मास्टर, भारत सरकार टेलमाल, बबई
 - 3 डा० आर० जी० रामबन,
मुख्य वैज्ञानिक प्रधिकारी,
विज्ञान संथा प्रोग्रेसिको विभाग,
नई शिल्पी।
 - 4 भारत सरकार के मण्डिव,
विधि, न्याय संथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(विधायी विभाग), नई विल्ली
 - 5 निवेशक,
राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला
नई विल्ली।
 - 6 मण्डिव, प्रसम सरकार
कृषि विभाग, दिसपुर
 - 7 सचिव, गुजरात सरकार
व्यापार व नागरिक प्रापूर्णि विभाग
अहमदाबाद।
 - 8 मण्डिव, हरियाणा सरकार
उद्योग विभाग, चंडीगढ़

७ बाट सथा माप नियमक,
आध प्रवेश सरकार, ईश्वराब

१० श्री एन० मुखर्जी,
बाट तथा माप निरोक्षक
बाट तथा माप नियमक रा कार्यालय

11 श्री गणेश श्रीनिवासन,
उप महा-निवेशक (मकनीकी),
भारतीय मानव संस्था, नई विल्हेमी
या उनके हांदारा नामित व्यक्ति ।

१२ श्री के० गग० लक्ष्मीनारायण,
पावरी हण्डिया पि० कलकड़ा ।

१३ डा० श्री० शरण
प्राक्तिक तथा प्रमुख
विज्ञान संस्था गणित, गणका विभाग,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद
तरीके द्विली।

१४ श्री पी० घ० भद्राचार्य
गोहर एव हन्ताज हेड,
बर्क्साप बिभाग, राष्ट्रीय शैक्षण
अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।

15 निदेशक,
विधिक माप विज्ञान,
नागरिक पूर्ण मत्रास्त्य,
नई विली।

१६ प्रिमिपल,
भारतीय विधिक माण विज्ञान संस्थान
राज्यी।

100

四

三

10

375

संक्षिप्त

प्राचीन भारतीय

Digitized by srujanika@gmail.com

१२ अप्र० सत्योपाधार संयुक्त समिति

शिक्षा और मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० का० 18-१(खण्ड)/८०-थि० ५—भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संस्था जापन पक्ष और नियमावली के नियम ३ और ६ के प्रत्यंगत श्री ए० एम० गिल, सचिव, समाज कल्याण मंत्रालय को तत्काल में तीन वर्ष की अवधि के लिये भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के नवस्य के रूप में नामित किया जाता है।

फिरोट जोशी, शिक्षा मंत्रालयकार

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्र पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० पी० टी० एच०-४/७७—केन्द्रीय सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) के संकल्प संघर्ष पी० टी० एच०-४/७७, दिनांक ६ मई, १९७८ तथा २१ जून, १९७८ में राष्ट्रीय हार्डर बोर्ड के गठन में निम्नलिखित संशोधन करती हैः—

सदस्य :

क्र० सं० १२ : “श्री एम० ए० छवाजा” के स्थान पर “प्र० एन० एम० काब्देली” पढ़े।

क्र० सं० १३ : “श्री पवित्र मोहन प्रधान” के स्थान पर “श्री नारायण माह” पढ़े।

क्र० सं० १४ : “श्री आर० बैंकटारमन” के स्थान पर “श्री एम० आर० ए० एम० अपालानायडू” पढ़े।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि बोर्ड के सदस्यों राष्ट्रपति के मंजिल, प्रधानमंत्री का सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय योजना प्रायोग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों तथा संबंधित राज्य सरकारों को भेजी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संवंधारण की सूचना के लिये संकल्प को भारत सरकार के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

बी० बी० महानन, मंत्रकाल सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

संकल्प

सं० हिन्दी/मिति/८०/३८/१—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के दिनांक २९-९-८० के संकल्प सं० हिन्दी/मिति/८०/३८/१ के क्रम में निम्नलिखित गैर-सरकारी मदस्यों को रेल मंत्रालय के अधीन गठित रेलवे हिन्दी सलाहकार मिति का सदस्य नामित किया जाता हैः—

(क) संसदीय राजभाषा मिति के प्रतिनिधि के रूप में—

१. श्रीमती अजीता इमाम, संसद सदस्य राज्य सभा, ३७-३९, माउथ एवेन्यू, नई दिल्ली।

(ब) गैर-सरकारी सदस्य के रूप में

२. श्री गवेनरपति त्रिपाठी, माहित्याचार्य, सदनापुरी, गर्वनीबाग, पटना (बिहार)।

३. डा० रामजी पाण्डे, गुवाहाटी राज्य सभा, ३७-३९, माउथ एवेन्यू,

४. डा० पाण्डे आशुतोष, ग्राम-पलकोली-पठांगोली, बगहा, पश्चिमी चमारण (बिहार)।

५. श्री रामाष्टार गुप्त, प्रबन्ध संपादक, दैनिक सन्मार्ग, कलकत्ता।

६. श्री विनोद कुमार मिथ, सम्पादक, दैनिक हिन्दूस्तान, नयी दिल्ली।

७. प्र० रामकिशोर शास्त्री, अमेठी सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश।

८. श्री शशुभूषण ठाकुर, “दिल” मार्फत श्री अलखराज पाण्डे, पृष्ठीये ट पटेल नगर (बिजली बोर्ड कालोनी के पास) पटना, बिहार।

९. श्री प्रफुल्लचन्द्र हिंदेवी, सीदान, बिहार।

१०. आचार्य नरेन्द्र पाण्डे, एम० प०, ६ कृष्ण मार्केट, लाजपतनगर, नयी दिल्ली-११००२४।

११. श्री बालशौर रेही, सम्पादक चन्द्रमामा, मध्याम।

१२. श्री जनार्दन राय नाशर, उपकूलपति रेजस्थान विद्यापीठ उदयपुर।

१३. डा० आर० एन० आजपेयी, रीडर अनाटमी, जी० एम० बी० एम० मेडिकल कालेज, कालपुर (उ० प्र०)।

१४. प्र० रत्न चंद्र ‘धीर’, २९ टैगोर पार्क, डी० ए० बी० कालेज कालोनी जी० टी० रोड, जालंधर (पंजाब)।

इन सदस्यों के सम्बन्ध में अन्य शर्तें वही होंगी जो १३-३-१९८० के संकल्प में उल्लिखित हैं।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, सोकल सभा राज्यसभा मध्यिकालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संवंधारण की सूचना के लिये यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

क० बालचन्द्रन, सचिव
रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० बी०-२८०१७/१/७९-सी० एल० टी०(आर० डब्ल्यू०)—भारत सरकार ने अपनी तारीख ३० मई १९७९ की ममसंबंधक अधिसूचना द्वारा राष्ट्रीय श्रम संस्थान का जिसे सोसायटी रजिस्टरेशन अधिसियम, १८६० (पंजाब संशोधन) अधिनियम, १९५७ के अन्तर्गत समिति के रूप में पंजीकृत किया गया है, गठन निर्धारित किया था, जिसके अध्यक्ष केन्द्रीय श्रम मंत्री थे। उपर्युक्त अधिसूचना में, क्रमांक ३ और २८ की वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगीः—

“३. श्री बी० बी० डेविड,

महामंत्री, हॉटेल,

श्रम विभाग, देवी अहिल्या मार्ग

इन्हौर-३।

“२८. प्र० एम० जी० रंगा,

मदस्य, लोक सभा,

३७, नार्थ एवेन्यू,

नई दिल्ली।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

पी० एम० हैवी लोक सभाद, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND
ADMINISTRATIVE REFORMS)
RULES

New Delhi, the 17th January 1981

No 11013/5/80 JES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1981 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service

2 The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes, mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951, The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modifications) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act 1956, the State of Himachal Pradesh Act, 1978, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970) the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Orders, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Orders, 1978

3 The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4 A candidate must be either —

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5 (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 18 years on 1st January, 1981 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1953 and not later than 1st January, 1960.

411 GI/80

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable —

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971,
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971,
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of India origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964,
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963,
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963,
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS
 PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

6 A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and as a subject from any University incorporated by an

Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th September 1981.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at this discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as of the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix II.

P. G. LELE,
Deputy Secretary.

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
A. Indian Economics Service			
1.	General English	150	3 hrs.
2.	General Studies	150	3 hrs.
3.	General Economics I (Parts I and II)	200	Part I—1 hr. } Part II—2 hrs. }
4.	General Economics II (Parts I and II)	200	Part I—1 hrs. } Part II—2 hrs. }
5.	Indian Economics (Parts I and II)	200	Part I—1 hrs. } Part II—2 hrs. }

NB :—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the Paper.

B. Indian Statistical Service

1.	General English	150	3 hrs.
2.	General Studies	150	3 hrs.
3.	Statistics I	200	3 hrs.
4.	Statistics II	200	3 hrs.
5.	Statistics III	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see Candidates' Information Manual at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/ Statistics.

GENERAL ENGLISH

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL STUDIES

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS I

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis, Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment, Post-Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS II

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialistic forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade terms from trade. Terms of trade. Trade Policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments. disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms, GATT; International aid for economic growth, I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS

Basic features of the Indian economy. Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade. Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy : land relations and land reforms; rural credit; role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary, occupations and rural industries.

Cooperation : its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises : Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and incomes policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal Policy; Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

STATISTICS I

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Probability (40 percent weight).

Elements of measure theory. Classified definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes theorem. Random variables discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions-Bernoulli, uniform, Binomial, Poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 percent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of x , S^2 , t , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median, run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 percent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

STATISTICS II

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Linear Models (25 percent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g-inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests of regression co-efficients.

Estimation (25 percent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator, Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 percent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 percent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean. Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic, Mahalanobis's D^2 statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal

population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS III

NOTE:—ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS, NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS, WILL BE SET

PART A (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 percent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ration and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 percent weight)

Components of time series. Methods of their determination—Variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART B

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 percent weight)

Different kinds of control charts for variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Romig and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/1, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 percent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Compertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 percent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and Latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^n experiments. Split-plot and strip-plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 percent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state or country, as well as in modern current of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work of conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows:

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250.
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000.

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calve, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested, in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distance vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9 or 6/12	J.I	J.II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of vision.*—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness.*—Broadly there are two types of blindness. (1) as a result of vit. A deficiency and 2 as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A. in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity.*—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint.*—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye.*—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embryopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J.I near vision or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is above 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic

examination, of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patients side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the band to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied tightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Some times as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level : they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed:—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- (1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.
- (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequency of 1000 to 4000.

- (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.
 - (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
 - (ii) Marginal or attic-perforation in both ears—unfit.
 - (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
- (4) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/ on both sides.
 - (i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.
 - (ii) Mastoid cavity of both sides —Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if, hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.
- (5) Persistently discharging ear-operated/ unoperated

Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
- (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
 - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
 - (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx
 - (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
 - (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily Unfit.
- (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.
 - (i) Benign tumours—Temporarily Unfit.
 - (ii) Malignant Tumours Unfit.
- (9) Otosclerosis

If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
- (10) Congenital defect of ear, nose or throat
 - (i) If not interfering with functions—Fit.
 - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
- (11) Nasal Poly
 - (a) that his speech is without impediment;
 - (b) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
 - (c) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
 - (d) that there is no evidence of any abdominal disease;

- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidate, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Ministry of Home Affairs, (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :

1. State your name in full (in block letters)
2. State our age and birth place
- (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc, whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had smallpox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, splitting of blood, asthma, heart disease, lung disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

- 4 When were you last vaccinated?

- * Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of death
Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at, and cause of death

7. Have you been examined by a Medical Board before ?
8. If answer to the above is 'Yes' please state that Service/Services, you were examined for ?
9. Who was the examining authority ?
10. When and where was the Medical Board held ?
11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence.....

Signature of the Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical Examination

1. General development : Good..... fair..... Poor.....

Nutrition : Thin..... Average..... Obese..... Height w/out shoes) Weight.....

Best Weight When? any recent change in weight? Temperature.....

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration).....
(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease
(2) Night blindness
(3) Defect in colour vision ,.....
(4) Field of vision
(5) Visual acuity

(6) Fundus examination		Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses	Sph. Cyl.	Axis
Distant vision		R.E. L.E.					
Near vision		R.E. L.E.					

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear Left Ear
5. Glands
6. Condition of teeth
7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ? if yes, explain fully
8. Circulatory System :
- (a) Heart : Any organic lesion ? Rate Standing
 - After hopping 25 times
 - 2 minutes after hopping
- (b) Blood Pressure : Systolic..... Diastolic.....
9. Abdomen : Girth Tenderness..... Hernia
- (a) Palpable : Liver Spleen
 - Kidneys Tumours
- (b) Haemorrhoids
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities
11. Loco Motor System : Any abnormality
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance
 - (b) Sp. Gr.
 - (c) Albumen
 - (d) Sugar
 - (e) Casts
 - (f) Cells
13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?....

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily, unfit, vide regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Place.....

Chairman
Member

Date.....

Member

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS &
FERTILIZERS

(DEPARTMENT OF PETROLEUM)

Now Delhi, the 18th December 1980

ORDER

SUBJECT : *Grant of Petroleum Exploration Licence for R-7 Structure area measuring 166.93 sq kms.*

No. 12012/8/80-Prod.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil & Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four year from 25-4-80 in R-7 Structure area (off-shore) area measuring 166.93 sq kms. the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

(a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.

(b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.

(c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged.

(i) Rs. 42/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts Officer, Department of Petroleum, New Delhi.

(d) The Commission shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing

head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

(e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.

(f) The Commission shall pay every year a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometer or party thereof covered by the licence.

- (i) Rs. 4/- for the first year of the licence;
- (ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 300/- for the first and second year of renewal.

(g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of rule 11 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(h) The Commission shall immediately on demand submit to the Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration Licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (51 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum exploration licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

The area covered by this Petroleum Exploration Licence falls in R-7 structure offshore area and lies between latitudes 17° 55' 12" South to 18° 05' 03" to North and longitude 72° 16' 17" West to 72° 25' 22" to East and is delineated on the map by the line joining the corner points ABC and D and measures 166.93 sq. kms. in area.

2. The latitudes and longitudes on which the points covering the area fall and the distances between them are as follows:—

	Bearing			Longitude			
	Deg	Latitude	Deg	Min	Sec	Min	Sec
1. Point A is at	.	.	18	02	40	72	16
2. Point B is at	*	.	18	05	00	72	22
3. Point C is at	.	.	17	57	28	72	25
4. Point D is at	.	.	17	55	12	72	19

Approximate distance from three prominent places on land are as follows:—

Alibaug 90 Kms.

Bombay 118 Kms.

Ratnagiri 152 Kms.

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof.
Petroleum Exploration Licence for R-7 Structure

Area measuring 166.93 sq. kms.

Month and Year

A. Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained.	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	REMARKS
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

B—Casing head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 & 3	REMARKS
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

C—Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of Cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2&3	REMARKS
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

I, Shri _____ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

(Signature)

BY ORDER and in the name of the President of India.

MRS. KIRAN CHADHA, Under Secy.

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 26th December 1980
RESOLUTIONSUBJECT :—*Constitution of Advisory Committee for the Indian Institute of Legal Metrology, Ranchi.*

No. WM-9(I)/80.—In pursuance of rule 8 of the Indian Institute of Legal Metrology Rules, 1980, the Central Government hereby constitutes an Advisory Committee consisting of :—

Chairman

- (1) The Secretary to the Government of India, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.

Members

- (2) The Master, India Government Mint, Bombay.
 (3) Dr. R. G. Kamble, Principal Scientific Officer, Department of Science and Technology, New Delhi.
 (4) Secretary to the Government of India, Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department), New Delhi.
 (5) The Director, National Physical Laboratory, New Delhi.
 (6) The Secretary, Government of Assam, Agriculture Department, Dispur.
 (7) The Secretary, Government of Gujarat, Food and Civil Supplies Department, Ahmedabad.
 (8) The Secretary, Government of Haryana, Industries Department, Chandigarh.
 (9) The Controller of Weights and Measures, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.

(10) Shri L. Mukherjee, Inspector of Weights and Measures, Office of the Controller of Weights and Measures, West Bengal, Calcutta.

(11) Shri S. Srinivasan, Deputy Director General (Technical), Indian Standards Institution, New Delhi.

(12) Shri K. S. Lakshminarayana, Avery India Limited, New Delhi.

(13) Dr. B. Sharan, Professor and Head, Department of Education in Science and Mathematics, National Council of Educational Research and Training, New Delhi.

(14) Shri P. K. Bhattacharya, Reader and Incharge Head, Workshop Department, National Council of Educational Research and Training, New Delhi.

Ex-Officio Member
 (15) The Director of Legal Metrology, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.

Ex-officio Convener
 (16) The Principal, Indian Institute of Legal Metrology, Ranchi.

A. R. BANDYOPADHYAY, Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 20th December 1980

No. F.18-4(Pt.)/80-U.5.—Under Rules 3 and 6 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, Shri A. S. Gill, Secretary, Ministry of Social Welfare, is nominated as the Member

of the Indian Council of Social Science Research for a period of three years with immediate effect.

KIREET JOSHI, Educational Adviser

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(PORTS WING)**

New Delhi, the 29th December 1980

RESOLUTION

No. PTH-4/77.—The Central Government hereby makes the following modifications in the composition of the National Harbour Board as constituted in the Ministry of Shipping and Transport (Transport wing) Resolutions No. PTH-4/77, dated the 6th May, 1978 and dated the 21st June, 1978 :—

Members :

- S. No. 12 : Read "Prof. N. M. Kamble", in place of "Shri S. A. Khaja Mohideen".
- E. No. 13 : Read "Shri Narayan Sahu", in place of "Shri Pabitru Mohan Pradhan".
- S. No. 14 : Read "Shri S. R. A. S. Appalanaidu" in place of "Shri R. Venkataraman".

ORDER

ORDERED that copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, Secretary to the President, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Ministries/Departments of the Government of India and the State Governments concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. B. MAHAJAN, Jt. Secy.

**MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)**

New Delhi, the 24th December 1980

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/80/38/1.—In continuation of Ministry of Railways (Railway Board) resolution No. Hindi/Samiti/80/38/1 dated 29-9-80 the following non-official members are nominated as member of the Railway Hindi Sahakar Samiti constituted under the Ministry of Railways :—

- (a) As a representative of the Parliamentary Committee on Official Languages.
 - 1. Smt. Ariza Imam, M.P., Rajya Sabha, 37-39, South Avenue, New Delhi.
- (b) As non-official members.
 - 2. Sh. Sarbendrapati Tripathi, Sahityacharya, Sadnapuri, Gardanibagh, Patna, Bihar.
 - 3. Dr. Ramji Pandey, Gudrirai-ka-chowk, Chhapra, Bihar.
 - 4. Dr. Pandey Ashutosh, Village Palkoli-Pathkoli, Bagha, Western Champaran, Bihar.
 - 5. Sh. Ramavtar Gupta, Managing Editor, Sanmarg daily, Calcutta.

- 6. Sh. Vinod Kumar Mishra, Editor, Hindustan Daily, New Delhi.
- 7. Prof. Ramkishore Shastri, Amethi, Sultanpur (U.P.)
- 8. Sh. Shatrughan Thakur 'Dil', C/o Sh. Alakhraj Pandey, Advocate, Patel Nagar (near Electricity Board Colony) Patna, Bihar.
- 9. Sh. Praphull Chandra Dwivedi, Siwan, Bihar.
- 10. Acharya Narendra Pandey, M.A., 6 Krishna Market, Lajpat Nagar, New Delhi-110024.
- 11. Sh. Balshori Reddy, Editor, Chandamama, Madras.
- 12. Sh. Janardan Rai Nagar, Vice-Chancellor, Rajasthan Vidyapith, Udaipur.
- 13. Dr. R. N. Bajpai, Reader, Anatomy, G.S.V.M. Medical College, Kanpur (U.P.).
- 14. Prof. Ratan Chand Dhir, 29-Tagore Park, D.A.V. College Colony, G.T. Road, Jullundur (Punjab).

The other conditions concerning these members will be the same as mentioned in resolution dated 13-3-1980.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectts. and Ministries and Departments of Govt. of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. BALACHANRAN, Secy., Rly Board & ex-officio Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th December 1980

No. V-28017/1/79-CLT(RW).—The Government of India by their Notification of even number dated the 30th May, 1979, had laid down the composition of the National Labour Institute registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (Punjab Amendment) Act, 1957 with the Union Minister of Labour as its President. In the aforesaid notification, for the existing entries at S. Nos. 3 & 28, the following entries shall be substituted :—

- "3 Shri V. V. Dravid,
Vice President-INTUC,
Shram Shibir, Devi Ahilya Marg,
INDORE 452003.
- "28 Prof. N. G. Ranga,
Member, Lok Sabha,
37, North Avenue,
New Delhi.

ORDER

ORDERED that the Notification be published in the Gazette of India for general information.

P. S. HABEEB MOHAMED, Jt. Secy.